No. of Printed Pages : 4 **MGP-003**

M.A. IN GANDHI AND PEACE STUDIES

Term-End Examination

00888 **June, 2015**

MGP-003 : GANDHI'S SOCIAL THOUGHT

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Answer any **five** questions, selecting at least **two** questions from each section. Answers should not exceed 500 words each. All questions carry equal marks.*

SECTION I

1. Gandhi acknowledged the sociology of *varnashrama* but refused to acknowledge the sense of subordination between *varnas*. Discuss.

2. What do you understand by 'modernity' and 'post-modernity' ?

3. Attempt a critical assessment of Gandhian approach to communal harmony.

4. It is said that Gandhi's notion of religion transcended all historical religions. Examine.

5. Write a note on Gandhi's thoughts on *Ahimsa* as a means to realise truth.

SECTION II

6. According to Gandhi, women are the custodians of culture and values. Give reasons.

7. What role did Gandhi envisage for the youth in the national regeneration of India ?

8. 'The basis of my vegetarianism is not physical but moral.' (Gandhi). Explain his reasoning.

9. Write a note on the importance of Nature in Gandhi's philosophical scheme.

10. Describe Gandhi's efforts and initiatives towards evolving the national language for India.

एम.ए. (गाँधी और शांति अध्ययन)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.जी.पी.-003 : गाँधी का सामाजिक चिंतन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्नों को चुनते हुए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

भाग I

1. गाँधी ने '*वर्णाश्रम*' की सामाजिकता को स्वीकार किया है परन्तु *वर्णों* के बीच अधीनीकरण के विचार को स्वीकार करने से मना किया है । चर्चा कीजिए ।

2. 'आधुनिकता' और 'आधुनिकता के पश्चात्' से आप क्या समझते हैं ?

3. साम्प्रदायिक सौहार्द के गाँधीवादी दृष्टिकोण का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

4. यह कहा जाता है कि गाँधी की धर्म की धारणा सभी ऐतिहासिक धर्मों से श्रेष्ठ थी । समीक्षा कीजिए ।

5. सत्य का अनुभव करने के साधन के रूप में *अहिंसा* पर गाँधी के विचारों पर टिप्पणी लिखिए ।

भाग II

6. गाँधी के अनुसार महिलाएँ संस्कृति और मूल्यों की संरक्षक होती हैं । कारण बताइए ।

7. भारत के राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में युवाओं को शामिल करने के लिए गाँधी की क्या भूमिका थी ?

8. 'मेरा शाकाहारवाद का आधार शारीरिक नहीं है बल्कि नैतिक है ।' (गाँधी) । उनके कारण स्पष्ट कीजिए ।

9. गाँधी की दार्शनिकता की योजना में प्रकृति के महत्त्व पर टिप्पणी लिखिए ।

10. भारत के लिए राष्ट्रीय भाषा के विकास की दिशा में गाँधी के प्रयासों और पहलों का वर्णन कीजिए ।